

**आलेख कर्म** पुं. (तत्.) चित्र बनाने का कर्म, लेखन का कार्य।

**आलेखन** पुं. (तत्.) 1. चित्र, तस्वीर 2. लिखने का कार्य 3. चित्र बनाना 4. खुरचना।

**आलेखनी** स्त्री. (तत्.) लिखने का एक उपकरण, लेखनी, कलम, तूलिका।

**आलेखनीय** वि. (तत्.) 1. आलेख से संबंधित 2. आलेख के आधार पर बनाया गया अथवा रचा गया।

**आलेखित्र** पुं. (तत्.) नक्शे अथवा प्रारूपों आदि का आवश्यकता अनुसार आकार छपवाने का यंत्र।

**आलेख्य** पुं. (तत्.) 1. चित्र, तस्वीर 2. चित्रकारी।

**आलेख प्रख्य** पुं. (तत्.) काव्य. किसी रचना का ऐसा संस्कार और संशोधन, जिससे वह रचना पूरी तरह से भिन्न रचना दिखे, अर्थ हरण।

**आलेख्य विद्या** स्त्री. (तत्.) चित्र कला, कलमकारी।

**आलेख्य-सर्पपंचमी** स्त्री. (तत्.) नाग पंचमी, श्रावण शुक्ल पक्ष की पंचमी, सर्व पंचमी, गुलाल अथवा अन्य किसी रंगीन चूर्ण से साँप की आकृति बनाकर उसकी पूजा करना।

**आलेप** पुं. (तत्.) 1. लेप 2. तेल आदि का उबटन, उपलेप, पलस्तर।

**आलेपन** पुं. (तत्.) 1. तेल-उबटन मलना, पोतना, लीपना 2. लेप।

**आलै** पुं. (तद्.) दे. आलय

**आलोक** पुं. (तत्.) 1. प्रकाश 2. चाँदनी, उजाला, रोशनी 3. चमक 4. दीप्ति 5. दृष्टि।

**आलोककर** वि. (तत्.) प्रकाश देने वाला, रोशनी करने वाला।

**आलोकन** पुं. (तत्.) दर्शन, अवलोकन।

**आलोकनीय** वि. (तत्.) दर्शनीय, देखने योग्य।

**आलोक पथ** पुं. (तत्.) दिखाई देने वाला मार्ग, दृष्टि मार्ग।

**आलोकित** वि. (तत्.) चमकीला, जिस पर आलोक पड़े, उज्ज्वल।

**आलोच** पुं. (तत्.) खेतों में गिरा हुआ अन्न।

**आलोचक** वि. (तत्.) 1. जो किसी वस्तु के गुण-दोषों की विवेचना करे, जाँच करने वाला पुं. समीक्षक।

**आलोचन** पुं. (तत्.) 1. समीक्षा करना 2. विचार, विचारविमर्श, विवेचन करना 3. देखना, दर्शन करना।

**आलोचना** स्त्री. (तत्.) 1. गुण-दोष निरूपण या विवेचन 2. समीक्षा 3. परख 4. दोषनिरूपण।

**आलोचित** वि. (तत्.) 1. समीक्षित जिसके गुण-दोषों का निरूपण किया गया हो 2. जो परखा गया हो 3. विचार किया हुआ 4. विवेचित।

**आलोच्य** वि. (तत्.) जिस की आलोचना की जा सके, आलोचना योग्य, आलोचनीय।

**आलोइन** पुं. (तत्.) 1. मंथन 2. सोच-विचार 3. मन में द्रव उठना 4. क्षोभ 5. छानबीन मुहा. आलोइन-विलोइन होना- मन या मस्तिष्क का उद्वेलित होना, ऊहापोह होना।

**आलोइना** स.क्रि. (तद्.) 1. मंथन करना, मथना, बिलोना 2. हिलोरना 3. अच्छी तरह से सोचना-विचारना 4. ऊहा-पोह करना।

**आलोड़ित** वि. (तत्.) 1. मथा हुआ 2. ठीक प्रकार से मंथन किया हुआ 3. सुविचारित, सुचिंतित 4. ठीक प्रकार से सोचा-समझा हुआ।

**आलोल** पुं. (तत्.) वि. 1. हिलता, डोलता, लहराता हुआ 2. आंदोलित 3. चंचल 4. क्षुब्ध।

**आलोलित** वि. पुं. (तत्.) 1. उद्वेलित, प्रकंपित 2. क्षुब्ध 3. चंचल प्रयो. सुनामी लहरों के कारण समुद्र अत्यधिक आलोलित हो उठा।

**आल्वार** पुं. (तत्.) 1. दक्षिण भारत का वैष्णव संप्रदाय 2. दक्षिण के वैष्णव संत।